प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

उत्तराखण्ड के पर्यटन मंत्री, श्री सतपाल महाराज द्वारा केन्द्रीय पर्यटन मंत्री, श्री प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 20 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री द्वारा अपनी धरोहर, अपनी पहचान योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में चौरासी कुटिया, ऋषिकेश एवं नारायण कोटि मन्दिर, रूद्रप्रयाग समूह को गोद लिये जाने पर स्वामित्वों को Letter of Intent (समझौता पत्र) दिया गया।

पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज द्वारा ए0एस0आई0 से सम्बन्धित चर्चा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखण्ड राज्य में मन्दिरों का समूह है कई घरों/मकानों के स्वामियों द्वारा अवगत कराया गया है कि उनकी भूमि ए0एस0आई0 के अर्न्तगत आने के कारण वे घरों/मकानों का पुर्ननिमार्ण नही कर पाते है जिससे बरसात के मौसम में रखरखाव न होने के कारण बहुत क्षति का सामना करना पडता है।

श्री सतपाल महाराज द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उत्तराखण्ड गृह आवास होम स्टे पंजीकरण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु 2000 इकाईयों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित के साथ आतिथि तक 1484 इकाईयों का पंजीकरण किया जा चुका है एवं 30 उद्यमियों को दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास होम स्टे विकास योजना के अन्तर्गत होम स्टे के निर्माण/मरम्मत हेतु ऋण स्वीकृत किये गये है।

श्री सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री द्वारा पर्यटन की वेब आधारित एप्लीकेशन के माध्यम से पर्यटन सम्बन्धी सेवाओं सूचना प्रचार–प्रसार सहित एक व्यापक "वन स्टॉप" समाधान विकसित करने और ट्विटर तथा चारधाम यात्रा हेतु हेल्पलाइन नम्बर के माध्यम से शिकायत निपटान से सम्बन्धित सूचना प्रस्तुत की। भविष्य में डिजास्टर मैनेजमेन्ट को भी सम्मिलित करने का प्रस्ताव दिया।

राज्य सरकार द्वारा साहसिक पर्यटन हेतु रिवर राफ्टिंग एवं क्याकिंग नियमावली, फुटलांच ऐरोस्पोर्ट्स (पैराग्लाइडिंग) नियमावली गठित की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य पर्यटन विभाग द्वारा भारत सरकार को प्रस्तावित आवश्यक मूलभूत मानकों (Re-Creational Boating and Adventure Water Sports Rules, Mountaineering and Trekking Rules and Powered Paragliding and Para Trek Rules) के गठन की गतिमान कार्यवाही से केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया गया।

प्रसाद एवं स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत कार्यो का विवरण भारत सरकार को दिया गया। अनुरोध किया कि उत्तराखण्ड राज्य में भारी बरसात एवं बर्फ पड़ने के कारण प्रसाद एवं स्वदेश दर्शन योजना की अवधि बढ़ायी जाय जिससे योजना के अन्तर्गत कार्य पूर्ण किया जा सके। इसके अतिरिक्त श्री महाराज द्वारा उत्तराखण्ड में महाभारत सर्किट को स्वीकृति देने हेतु बल दिया।

राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के 20 राज्यों के पर्यटन मंत्रियों एवं सचिवों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग से श्रीमती पूनम चंद, संयुक्त निदेशक पयटन द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

Some Photographs From The Event

पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन
NATIONAL CONFERENCE OF TOURISM MINISTERS
UTTARAKHA

SATPAL MAHARAJ
MINISTER FOR TOURISM
UTTARAKHAND